कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

जागृति

वर्ष:67 अंक-11 मुम्बई अक्तूबर 2023

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने खादी अंग वस्त्रम के साथ 10 सितंबर, 2023 को महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने राजघाट पहुंचे G-20 नेताओं और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों का स्वागत किया।

एमएसएमई मंत्री ने मुंबई के जुहू बीच पर केवीआईसी द्वारा आयोजित स्वच्छता अभियान का नेतृत्व किया

केवीआईसी ने तीन अलग-अलग समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए, और 'नए भारत की आधुनिक खादी' की आधारशिला रखी।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष:67 अंक-11 मुम्बई अक्तूबर 2023

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्री विनीत कुमार

संपादक
एम. राजन बाबू

सह संपादक
संजीव पोसवाल

उप संपादक
सुबोध कुमार

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
कलाकार
दिलीप पालकर

उप संपादक
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से
खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार 03-16

- प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राजघाट पर खादी अंग वस्त्रम के साथ जो बाइडन, सुनक, ट्रूडो, अन्य जी-20 नेताओं का स्वागत किया............3
- G-20 शिखर सम्मेलन में खादी..4
- भारत मंडपम का खादी स्टॉल आकर्षण का केंद्र बना......................4
- खादी, आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक है.......................................4
- केवीआईसी ने खादी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए..6
- ओडिशा के भुबनेश्वर में 'ग्रामोद्योग विकास योजना' के तहत टूल-किट एवं मशीनरी का वितरण किया गया..9
- केवीआईसी के अधिकारियों को संबोधित करते हुए साइबर शाखा के पुलिस निरीक्षक ने कहा कि सतर्कता, उपाय से बेहतर है.................13

मीडिया कवरेज..17-18

Khadi India

प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राजघाट पर खादी अंग वस्त्रम के साथ जो बाइडन, सुनक, ट्रूडो, अन्य जी-20 नेताओं का स्वागत किया

नई दिल्ली, 10 सितंबर: माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने राजघाट पहुंचे जी20 नेताओं और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के अन्य प्रमुखों का स्वागत किया। यूनाटेड स्टेट ऑफ अमेरिका के राष्ट्रपति श्री जो बाइडन यूनाइटेड किंगडम के प्रधान मंत्री ऋषि सुनक, कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो, कोमोरोस संघ के राष्ट्रपति और अफ्रीकी संघ (एयू) के अध्यक्ष, अज़ाली असौमानी, नाइजीरियाई राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू, स्पेन के उपराष्ट्रपति नादिया कैल्विनो, यूनाइटेड मैक्सिकन स्टेट्स के अर्थ मंत्री, रक़ेल ब्यूनरोस्त्रो सांचेज़ और अन्य लोग महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने और पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए पहुंचे। पीएम मोदी ने पृष्ठभूमि में गांधी आश्रम के कटआउट के साथ खादी अंग वस्त्रम के साथ नेताओं का स्वागत किया।

वसुधैव कुटुम्बकम्

ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

G-20 शिखर सम्मेलन में खादी

18वां G20 शिखर सम्मेलन 9-10 सितंबर, 2023 के दौरान नई दिल्ली के भारत मंडपम में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। प्रगति मैदान के भारत मंडपम में विदेशी मेहमानों के लिए हस्तशिल्प बाजार सहित विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए गए थे, लेकिन जो स्टॉल मेहमानों को सबसे ज्यादा आकर्षित कर रहा था वो था खादी स्टॉल, यहां खादी उत्पादों से बने विभिन्न प्रकार के परिधान प्रदर्शित किए गए।

आकर्षण का केंद्र बना भारत मंडपम का खादी स्टॉल

जी20 समिट में शामिल होने आए विदेशी मेहमानों के लिए भारत मंडपम का खादी स्टॉल आकर्षण का केंद्र बना। भारत मंडपम में विदेशी मेहमानों को सैकड़ों खादी उत्पाद उपलब्ध कराए गए। स्टॉल में साड़ी, शॉल से लेकर खादी के कुर्ते और जैकेट भी बिक्री के लिए रखे गए थे। यहां खादी 'मोदी जैकेट' भी विदेशी मेहमानों के बीच आकर्षण का केन्द्र बनी, आगंतुकों में सबसे ज्यादा क्रेज 'मोदी जैकेट' को लेकर देखने को मिला. इसकी भारी मांग रही।

खादी, आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक है।

- केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राजघाट पर राष्ट्राध्यक्षों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों को उपहार में दिए गए खादी शॉल पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कहा, **"खादी आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक है। खादी हमारे देश की विरासत है और यह एक समस्त देशवासियों के लिए गर्व की बात है।"** और यह कि खादी को विदेशी मेहमानों तक पहुंचाया जा रहा है और उन्हें पहनाया जा रहा है।

Khadi India

10 सितंबर, रविवार को नई दिल्ली में विश्व नेताओं को हाथ से बना स्कार्फ उपहार में देने का श्री नरेंद्र मोदी का निर्णय भारतीय प्रधान मंत्री के लिए इतिहास और प्रतीकवाद में निहित एक कार्य था, क्योंकि उनका उद्देश्य वैश्विक मंच पर देश के स्वतंत्रता आंदोलन को उजागर करना था।

जैसे ही 20 देशों के समूह (जी20) के नेता महात्मा गांधी के लिए राजघाट स्मारक में गए, उनका स्वागत खादी स्कार्फ से किया गया, जो उनके अहिंसक प्रतिरोध अभियान का एक प्रमुख प्रतीक था जिसने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से भारत की आजादी हासिल करने में मदद की।

श्री नरेंद्र मोदी को गुजरात राज्य में साबरमती आश्रम की एक बड़ी पृष्ठभूमि के सामने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन और ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सनक सहित अन्य लोगों की गले में हाथ से बुने हुए, सफेद सूती खादी कपड़े (खादी स्कार्फ) को लपेटते हुए फोटो के लिए पोज़ देते देखा गया।

महात्मा गांधी का व्यक्तित्व शांति और अहिंसा का वैश्विक प्रतीक बन गया है, खादी स्कार्फ आत्मनिर्भरता का प्रतीक थे, कपड़ों की एक वस्तु जिसे भारतीयों द्वारा स्थानीय स्तर पर बनाया जा सकता था, और भारत के औपनिवेशिक शासन के दौरान आयातित या ब्रिटिश निर्मित उत्पादों का बहिष्कार करने के लिए डिज़ाइन किया गया।

इसने भारतीयों को दिखाया कि वे अपनी औद्योगिक क्षमता बढ़ाने में सक्षम थे, और देश को उसके पूर्व औपनिवेशिक राज्यपालों पर निर्भर रहने से मुक्त कर दिया।

केवीआईसी ने खादी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

डीडी न्यूज और डीडी इंटरनेशनल पर एंकर खादी पोशाक पहनेंगे

एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड केवीआईसी के लिए राष्ट्रव्यापी बुनियादी ढांचा विकसित करेगा

डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन खादी के लिए आईटी-संबंधित समाधान पेश करेगा

पीएमईजीपी के तहत 150 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी वितरित की गई

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 2023: प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'लोकल फ़ॉर वोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' के मंत्र को अपनाते हुए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने आज यहां तीन अलग-अलग समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए और स्वतंत्र भारत के अमृतकाल में 'नए भारत की आधुनिक खादी' की आधारशिला रखी।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार की उपस्थिति में प्रसार भारती,

एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड और डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन के साथ इन समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इन समझौता ज्ञापनों का उद्देश्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुसार खादी और ग्रामोद्योग आयोग को आधुनिक बनाने और युवाओं के बीच अपने उत्पादों को लोकप्रिय बनाने के लिए एक रोडमैप तैयार करना है। इस अवसर पर श्री कुमार ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को 150 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी वितरित की।

प्रसार भारती के साथ हुए समझौता ज्ञापन के मुताबिक बहुत जल्द डीडी न्यूज और डीडी इंटरनेशनल चैनलों के एंकर खादी परिधानों में नजर आएंगे। श्री कुमार ने दोहराया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के

नेतृत्व में खादी अब आत्मनिर्भर भारत की पहचान बन गयी है। ऐसे में प्रसार भारती के साथ यह समझौता खादी को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। इसके साथ ही एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड देश भर में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के लिए नए आधुनिक बुनियादी ढांचे का निर्माण करेगा और केवीआईसी को नवीनतम तकनीक के साथ अपडेट रखने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए केवीआईसी ने डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के साथ हाथ मिलाया है।

एमओयू पर प्रसार भारती के उप महानिदेशक श्री संजय प्रसाद और केवीआईसी के निदेशक प्रचार श्री संजीव पोसवाल, एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रदीप शर्मा और केवीआईसी के संपदा एवं सेवाओं के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री राजन बाबू और डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री देबरत नायक और केवीआईसी की सूचना प्रौद्योगिकी के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री राजन बाबू ने हस्ताक्षर किए।

श्री कुमार ने एक डैशबोर्ड और एटीआर पोर्टल भी लॉन्च किया। डैशबोर्ड आयोग द्वारा संचालित योजनाओं की निगरानी के लिए मदद करेगा और एटीआर पोर्टल आयोग के निर्णय पर की गई कार्रवाइयों की कुशल ट्रैकिंग की सुविधा प्रदान करेगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केवीआईसी अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 9 वर्षों में दुनिया के हर मंच पर भारत की राष्ट्रीय विरासत खादी को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा, हाल ही में दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह विश्व नेताओं को खादी का उपहार देकर खादी की वैश्विक ब्रांडिंग की उससे खादी को एक नई वैश्विक पहचान मिली है।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने आगे कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने जिस खादी को स्वदेशी आंदोलन का प्रमुख हथियार बनाया था उसी खादी का पिछले 9 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शानदार ढंग से उपयोग किया गया है। गरीबी उन्मूलन, कारीगर सशक्तिकरण, खाद्य सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण के लिए वर्षों और बेरोजगारी उन्मूलन के लिए सबसे शक्तिशाली, सक्षम एवं सफल उपकरण और हथियार बनाया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले वित्तीय वर्ष में इतिहास रचते हुए खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों का व्यापार 1.34 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया जबकि 9.54 लाख नई नौकरियाँ पैदा हुईं। कार्यक्रम में केवीआईसी के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। ■■

ओडिशा के भुबनेश्वर में 'ग्रामोद्योग विकास योजना' के तहत टूल-किट एवं मशीनरी का वितरण किया गया

भुवनेश्वर, 2 सितंबर, 2023 : सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 01 सितंबर, 2023 को ओडिशा के भुवनेश्वर में एक वितरण समारोह में कारीगरों को टूल-किट और मशीनरी का वितरण किया।

कार्यक्रम में, ग्रामोद्योग विकास योजना के एक हिस्से के रूप में 100 कुम्हारों को इलेक्ट्रिक चाक वितरित किए गए, 75 चमड़ा कारीगरों को जूते के टूलकिट और 60 कारीगरों को पेपर मैसी मशीनें प्रदान की गईं। भुवनेश्वर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से संसद सदस्य श्रीमती अपराजिता सारंगी और केवीआईसी पूर्वी क्षेत्र के सदस्य श्री मनोज कुमार सिंह भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत एक कारीगर सम्मेलन और पॉटरी-एक्सपो का आयोजन भुवनेश्वर के कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी परिसर में किया गया।

श्रीमती अपराजिता सारंगी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 9 वर्षों में केवीआईसी की सराहनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केवीआईसी "आत्मनिर्भर भारत" के विजन को साकार करने में सक्रिय योगदान दे रहा है और ग्रामीण भारत में रोजगार के अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, श्री मनोज कुमार ने कहा कि पिछले 9 वर्षों के दौरान, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सक्रिय रूप से भारत की समृद्ध राष्ट्रीय विरासत "खादी" को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाया है। उनके समर्पित प्रयासों के माध्यम से, खादी अब एक प्रमुख वैश्विक ब्रांड के रूप में विकसित हो गया है। श्री मनोज कुमार ने यह भी कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा स्वदेशी आंदोलन में खादी को एक मुख्य औजार के रूप में

अपनाया गया था।

उल्लेखनीय रूप से, वर्तमान परिदृश्य में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अब 'खादी' को गरीबी उन्मूलन, कारीगरों को सशक्त बनाने, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और बेरोजगारी का समाधान करने के लिए एक शक्तिशाली और सफल साधन के रूप में स्थापित किया है। उनके सक्षम नेतृत्व में, केवीआईसी के उत्पादों ने पिछले वित्तीय वर्ष में 1.34 लाख करोड़ रुपये से अधिक का अभूतपूर्व कारोबार हासिल किया, जो एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है।

नीति आयोग के आंकड़ों का हवाला देते हुए, केवीआईसी के अध्यक्ष ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले 5 वर्षों में, भारत में 13.5 करोड़ व्यक्ति सफलतापूर्वक गरीबी रेखा को पार कर गए हैं। विशेष रूप से, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन के तहत खादी ने पूरे देश में ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को गरीबी से ऊपर उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, केवीआईसी ने कुल 9,54,899 नए रोजगार के प्रभावशाली अवसर प्रदान करके रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी परिसर में तीन दिवसीय पॉटरी एक्सपो के उद्घाटन के दौरान, श्री मनोज कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री के व्यावहारिक मार्गदर्शन के तहत, केवीआईसी समर्पित रूप से ग्रामोद्योग विकास योजना के माध्यम से पारंपरिक भारतीय ग्रामीण उद्योगों में लगे कारीगरों को आवश्यक मशीनरी एवं उपकरणों से लैस कर रहा है। यह रणनीतिक पहल इन कारीगरों की आय को बढ़ाकर उनके जीवन की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार कर रही है। अब तक, 'कुम्हार सशक्तिकरण' पहल के हिस्से के रूप में, देश भर में कुम्हारों को मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए 25,000 से अधिक बिजली से चलने वाले चाक वितरित किए गए हैं। ओडिशा में, ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए 900 से अधिक बिजली चालित चाक के वितरण की सुविधा प्रदान की गई है, जिसका कुल मूल्य लगभग 2 करोड़ रुपये है। इस ठोस प्रयास से ओडिशा के कुम्हारों की आय में उल्लेखनीय रूप से तीन से चार गुना वृद्धि हुई है।

श्री मनोज कुमार ने प्रधानमंत्री के लोकल टू ग्लोबल पहल के विजन को साकार करने के लिए 'मेक इन इंडिया' और 'मेक फॉर वर्ल्ड' के दोहरे दृष्टिकोण को अपनाने के महत्व पर जोर दिया। 'कुम्हार सशक्तिकरण योजना' के तहत, ओडिशा के विभिन्न जिलों के सौ कुम्हारों को दस दिनों के व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ, बिजली चालित मिट्टी के बर्तन बनाने वाले चाक प्राप्त हुए हैं। इन क्रियाकलापों के परिणामस्वरूप, ये कुशल कारीगर अब 25,000 से 35,000 रुपये तक की मासिक आजीविका उत्पन्न करने में सक्षम हैं।

श्री मनोज कुमार ने कहा कि राज्य में 62 खादी संस्थानों का एक मजबूत नेटवर्क है, जो प्रभावी रूप से 4000 से अधिक व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। एक उल्लेखनीय पहल, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) ने पिछले तीन वर्षों में ओडिशा के भीतर 11,352 पीएमईजीपी इकाइयों की स्थापना देखी है। इन इकाइयों को भारत सरकार से 308 करोड़ रुपये से अधिक की मार्जिन मनी सब्सिडी प्राप्त हुई है, जिससे 90,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। उपरोक्त वितरण कार्यक्रम में ओडिशा सरकार और केवीआईसी के कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2023

केवीआईसी के अधिकारियों को संबोधित करते हुए साइबर शाखा के पुलिस निरीक्षक ने कहा कि सतर्कता, उपाय से बेहतर है

साइबर हाइजीन और सुरक्षा बनाए रखना महत्वपूर्ण ही नहीं बल्कि समय की मांग भी है। अतः संवेदनशील डाटा को सुरक्षित रखने और इसे चोरी या सायबर अटैक से बचाने के लिए केवीआईसी अधिकारियों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए, सतर्कता निदेशालय द्वारा क्षमता निर्माण के समन्वय से डीआईएनएएनके 5 सितंबर, 2023 को केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में एक साइबर- हाइजीन और सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संगठन के पेन इंडिया कर्मचारियों को शामिल किया गया।

इस अवसर पर साइबर शाखा की पुलिस निरीक्षक सुश्री सुवर्णा शिंदे और उनकी टीम के सदस्य श्री राजेश खुशलानी ने साइबर अपराधों पर गहराई से प्रकाश डाला। आज यहां अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले 6 से 7 वर्षों में साइबर अपराध में तीव्र गति से वृद्धि हुई है।

उन्होंने सोशल मीडिया अपराधों, वित्तीय धोखाधड़ी, बैंकिंग धोखाधड़ी, बिजली धोखाधड़ी, विवाह धोखाधड़ी, लोन ऐप धोखाधड़ी, सेक्सटॉर्शन या वेब क्लेम धोखाधड़ी के बारे में भी चेतावनी दी, जो तस्वीरों के दुरुपयोग आदि के माध्यम से ब्लैकमेलिंग का कारण बनता है, इसमें अत्यधिक सावधानी बरतने की

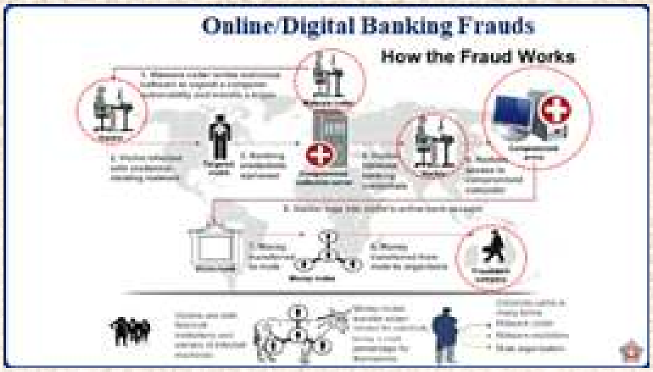

जरूरत है। इनमें से 80% वित्तीय धोखाधड़ी हैं और 20% सोशल मीडिया अपराध हैं जो सोशल मीडिया साइटों पर डेटा और व्यक्तिगत जानकारी साझा करने जैसे बड़े पैमाने पर लोगों की एहतियाती अज्ञानता के कारण होते हैं।

एहतियाती उपायों के बारे में जानकारी देते हुए, उन्होंने राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 या cybercrime.gov.in के बारे में जानकारी दी, जिसमें गोल्डन आवर्समें के दौरान उपयोग करने और अकाउंट को फ्रीज़ करने के लिए बैंक लिंक है। उन्होंने बताया कि इस तरह मुंबई पुलिस ने करोड़ों रुपये बचाए हैं।

इस अवसर पर श्री राजेश खुशलानी ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया कि इस तरह के अपराध से स्वयं को कैसे बचाया

सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2023

साइबर सुरक्षा पर प्रशिक्षण

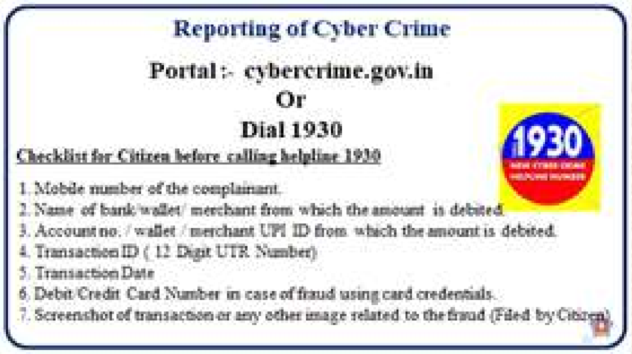

जा सकता है अर्थात क्लिक करके यह पता लगाना कि मेरी गतिविधि आदि अन्य महत्वपूर्ण विवरणों का दुरुपयोग तो नहीं किया जा रहा है। इसके अलावा एक ही पासवर्ड का उपयोग करने से बचना, मल्टी फैक्टर ऑथेंटिकेशन का उपयोग करना, नियमित रूप से डेटा का बैकअप लेना , निजी जानकारी जैसे घर का पता, निजी चित्र, फोन नंबर, या क्रेडिट कार्ड नंबर सार्वजनिक रूप से सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं करके गोपनीयता सुनिश्चित करना। प्रोफाइल को निजी रखना, अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन को बंद रखना, सुरक्षित एंटीवायरस का उपयोग, मजबूत पासवर्ड, नियमित रूप से हिस्ट्री को साफ़ करना और साइबर-अपराध की तुरंत रिपोर्ट करना, अजनबियों से फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करना, ओटीपी, सीवीवी/पासवर्ड पैन कार्ड, आधार कार्ड विवरण साझा न करना, अज्ञात ईमेल न खोलना, अज्ञात नंबरों से वीडियो कॉल स्वीकार न करना।

इससे पूर्व, प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केवीआईसी के वित्तीय सलाहकार श्री पंकज बोडके ने कहा कि साइबर हाइजीन या साइबर सुरक्षा एक अभ्यास समूह है जिस पर संगठन और यक्तियों द्वारा उपयोगकर्ता, उपकरणों, नेटवर्क और डाटा की सुरक्षा को चोरी या दुरुपयोग से सुरक्षित रखने के लिए नियमित रूप से कार्य किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि साइबर हाइजीन बनाए रखने से, एक व्यक्ति समग्र रूप से उसमें सुधार लाकर परिचालन संबंधी रुकावटों, डाटा संबंधी समझौता और डाटा लॉस के जोखिम को कम करता है।

इस अवसर पर बोलते हुए केवीआईसी के मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. संघमित्रा ने कहा कि वर्तमान में सूचना प्रौद्योगिकी काफी सुदृढ़ है, अतः इसे सुरक्षित तरीके से उपयोग करने की चुनौतियां भी हैं। इस इंटरनेट-केंद्रित दुनिया में साइबर सुरक्षा का महत्व अत्यंत आवश्यक है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में साइबर अपराध काफी हद तक बढ़ गए हैं, इसने हमें इस संवेदनशील मुद्दे पर उचित ध्यान देने के लिए मजबूर किया है और उन्होंने राय दी है कि इस बढ़ते अपराध के लिए रोकथाम ही सबसे बड़ा समाधान है।

कार्यक्रम की शुरुआत केवीआईसी के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सत्य नारायण ने स्वागत भाषण से की, जिन्होंने कर्मचारियों के लिए इस तरह के सूचनात्मक प्रशिक्षण आयोजित करने की इस पहल की सराहना की और बाद में श्री शिंदे,उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्षमता निर्माण द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

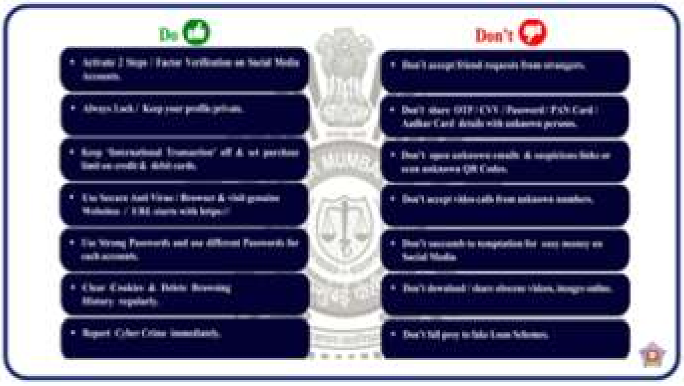

प्रेस कवरेज

millenniumpost.in
millenniumpost
NO HALF TRUTHS
22 Sept 2023

Anchors on DD News & DD International will be dressed in Khadi attire

KVIC inked three MoUs aimed at preparing a roadmap to modernise the KVIC and popularize its products among the youth

NEW DELHI: Embracing Prime Minister Narendra Modi's mantra of 'Local for Vocal' and 'Atmanirbhar Bharat', Khadi and Village Industries Commission (KVIC), Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Government of India, inked three separate MoUs, and laid foundation stone of 'Modern Khadi of New India' in the Amritkal of Independent India on Monday at Kamani Auditorium, New Delhi.

In the presence of Manoj Kumar, Chairman, Khadi & Village Industries Commission (KVIC) these fundamental agreements were signed with Prasar Bharati, NBCC (India) Limited, and Digital India Corporation.

The objective of these MoUs is to prepare a roadmap to modernise the KVIC and popularise its products among the youth.

On this occasion, Manoj Kumar distributed margin money subsidy of Rs 150 crore to the beneficiaries under the PM's Employment Generation Programme.

According to the MoU signed with Prasar Bharati, very soon the anchors of DD News and DD International channels will be seen in Khadi apparels. Manoj Kumar reiterated on this occasion that under the leadership of Prime Minister Narendra Modi, Khadi has now become identity self-reliant India. In such a scenario, this agreement with Prasar Bharati will substantiate to be a milestone in making Khadi popular among the youth.

Along with this, NBCC (India) Limited will build new modern infrastructure for Khadi and Village Industries Commission across the country and to focus on keeping KVIC up-to-date with the latest technology, KVIC has joined hands with Digital India Corporation.

The MoU was signed by Sanjay Prasad, Deputy Director General on behalf of Prasar Bharati and Sanjeev Poswal, Director Publicity on behalf of KVIC.

Whereas, on behalf of NBCC (India) Ltd. Pradeep Sharma, Chief General Manager signed the MoU and on behalf of KVIC it was signed by Rajan Babu, Deputy Chief Executive Officer, Estate & Services. On behalf of Digital India Corporation, the MoU was signed by Debarat Nayak, Chief Technical Officer and Rajan Babu, Deputy Chief Executive Officer, Information Technology signed on behalf of KVIC. On this occasion Manoj Kumar also launched a dashboard and ATR Portal.

Dashboard dedicated to the Chairman for monitoring the schemes run by the Commission and ATR Portal will facilitate the efficient tracking of actions taken on Commission's decision.

Addressing the program, Manoj Kumar said that Prime Minister Narendra Modi has promoted India's National Heritage Khadi on every platform of the world in the past nine years.

The way Prime Minister Narendra Modi did global branding of Khadi by gifting Khadi corsets to the world leaders at the recently held G-20 summit in Delhi, has given a new global identity to Khadi. #POST

जागरूक टाइम्स

नए भारत की 'आधुनिक खादी'

- डीडी न्यूज और डीडी इंटरनेशनल चैनल के एंकर पहनेंगे खादी के परिधान
- केवीआईसी के लिए एनबीसीसी (इंडिया) लि. देशभर में तैयार करेगा आधारभूत संरचना

जागरूक टाइम्स संवाददाता

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'लोकल फॉर वोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' मंत्र को आत्मसात करते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित कमानी ऑडिटोरियम में तीन अलग-अलग समझौता ज्ञापनों पर मुहर लगाकर आजादी के अमृतकाल में 'नए भारत की आधुनिक खादी' की आधारशिला रखी। केवीआईसी अध्यक्ष मनोज कुमार की उपस्थिति में प्रसार भारती, एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड और डिजिटल इंडिया कार्पोरेशन के साथ तीन महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए। इन समझौता ज्ञापनों का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुसार खादी और ग्रामोद्योग आयोग को आधुनिक और इसके उत्पादों को युवा वर्ग के बीच लोकप्रिय बनाने का रोडमैप तैयार करना है। इस अवसर पर केवीआईसी चेयरमैन मनोज कुमार ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत 150 करोड़ रुपए की मार्जिन मनी सब्सिडी लाभार्थियों को वितरण की। प्रसार भारती के साथ हुए समझौता ज्ञापन के अनुसार शीघ्र डीडी न्यूज और डीडी इंटरनेशनल चैनल के एंकर खादी परिधान में नजर आएंगे। केवीआईसी अध्यक्ष मनोज कुमार ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में खादी अब आत्मनिर्भर भारत की पहचान बन चुकी है। ऐसे में प्रसार भारती के साथ हुआ ये करार खादी को युवा वर्ग में लोकप्रिय बनाने में मील का पत्थर सिद्ध होगा। इसके साथ ही खादी और ग्रामोद्योग आयोग के लिए देशभर में नए आधुनिक आधारभूत संरचना का निर्माण अब एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड करेगा, जबकि नवीनतम प्रौद्योगिकी से केवीआईसी को अद्यतन (up-to-date) रखने के लिए डिजिटल इंडिया कार्पोरेशन के साथ आयोग ने हाथ मिलाया है। प्रसार भारती की तरफ से संजय प्रसाद, उपमहानिदेशक तथा केवीआईसी की ओर से निदेशक प्रचार-प्रसार संजीव पोसवाल ने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। वहीं, एनबीसीसी (इंडिया) लि. की तरफ से प्रदीप शर्मा, मुख्य महाप्रबंधक और केवीआईसी की तरफ से उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, संपदा राजन बाबू ने दस्तखत किए। डिजिटल इंडिया कार्पोरेशन की तरफ से इस समझौता ज्ञापन पर देबरत नायक, मुख्य तकनीकी अधिकारी तथा केवीआईसी की ओर से उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सूचना प्रौद्योगिकी राजन बाबू ने हस्ताक्षर किए। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने पीएमईजीपी के अंतर्गत देशभर में स्थापित 3491 इकाइयों के लिए 150 करोड़ रुपए की मार्जिन मनी सब्सिडी का भी वितरण किया। इन इकाइयों के माध्यम से पूरे देश में करीब 38401 नए लोगों को रोजगार मिल रहा है। कुमार ने कहा कि पीएमईजीपी के माध्यम से अभी तक पूरे देश में करीब 50 लाख से अधिक नए लोगों को रोजगार मिला है।

प्रेस कवरेज

'आत्मनिर्भर खादी' की 'ग्लोबल ब्रांडिंग'

आजादी के अमृत काल में 9 से 10 सितंबर तक राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम से राजघाट तक 'विश्व महाशक्तियों के महामंथन' से जो अमृत निकला है, उसने विश्व और मानव कल्याण के लिए कई मील के पत्थर स्थापित किए हैं. जी-20 शिखर सम्मेलन भारत के लिए वैश्विक मंच पर अपनी सनातन संस्कृति, वैचारिक विरासत, आर्थिक शक्ति को प्रदर्शित करने के साथ 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र को वैश्विक पहचान दिलाने का एक अवसर था. साथ ही ये अवसर था विश्व के सामने एक ऐसे रोडमैप का खाका खींचने का, जिससे वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन को कम कर 'ग्लोबल वार्मिंग' को रोका जा सके. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर राष्ट्रपिता गांधी की विरासत और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की धरोहर खादी की जिस तरह से 'ग्लोबल ब्रांडिंग' की, स्वयं प्रदर्शनी में कारीगरों के बीच जाकर उनका उत्साहवर्धन किया, उसने संपूर्ण विश्व को ये संदेश दिया है कि भारत की खादी को अब 'लोकल से ग्लोबल' होने से कोई रोक नहीं सकता है.

अद्भुत तस्वीर की साक्षी बनी पूरी दुनिया

सितंबर की सुबह राजघाट स्थित महात्मा गांधी के स्मारक पर विश्व नेता और रराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख जब बापू को श्रद्धांजलि देने पहुंचे तो पूरी दुनिया एक द्रुत तस्वीर की साक्षी बनी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'खादी अंगवस्त्र' से जी-20 खर सम्मेलन में आये सभी विदेशी नेताओं का स्वागत कर रहे थे. साथ ही वो भूमि में लगी साबरमती आश्रम की उस तस्वीर से भी विश्व नेताओं को परिचित रा रहे थे, जो भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की अविस्मरणीय विरासत है. आजादी के द खादी को ऐसा मान-सम्मान पहले कभी मिला हो मुझे याद नहीं, लेकिन पिछले 9 र्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खादी ने चरखे पर 'मौन क्रांति' का जो ना-बाना बुना है, ये उसका जीता जागता प्रमाण है. मेरा मानना है कि हमारी राष्ट्रीय रासत खादी की ये 'ग्लोबल लांचिंग' है और खादी की ग्लोबल लांचिंग की इससे दर, उत्तम और प्रभावशाली तस्वीर कोई हो भी नहीं सकती.

ाकर्षण का केंद्र चरखे का 'सजीव प्रदर्शन'

20 शिखर सम्मेलन के दौरान योजित प्रदर्शनी में 'खादी स्टॉल' भी शी मेहमानों के लिए एक प्रमुख र्षण का केंद्र रहा. मैं स्वयं 8, 9 और सितंबर को पूरे दिन वहां उपस्थित था. करीब से देखा कि खादी के प्रति देश हीं, विदेश से आए मेहमानों में गजब उत्साह है. विशेष रूप से 'मोदी जैकेट' प्रति विदेशी मेहमानों का रूझान इस को प्रमाणित करता है कि प्रधानमंत्री द्र मोदी वैश्विक स्तर पर कितने कप्रिय हैं और उनकी 'ब्रांड शक्ति' ने ने खादी को नेक्स्ट लेवल पर पहुंचा दिया है. प्रदर्शनी की खास बात ये भी रही कि चरखे का 'सजीव प्रदर्शन' विदेशी मेहमानों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा. कई मेहमानों ने चरखे पर सूत काटने का प्रशिक्षण लिया. कई ने चरखे के साथ सेल्फी लेकर भारत की इस विरासत को सदा के लिए अपने पास सजो लिया. ये वो तस्वीरें हैं जो आने वाली वैश्विक पीढ़ी के लिए भारत की 'आत्मनिर्भर खादी' का गौरव गान बनेंगी.

- मनोज कुमार, अध्यक्ष
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

'ई-कामर्स प्लेटफार्म पर भी मिलेंगे खादी उत्पाद'

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रिय खादी अब ई-कामर्स प्लेटफार्म पर भी उपलब्ध होगी। खादी को चाहने वालों को अब खादी के उत्पादों की तलाश में खादी स्टोर या उसकी वेबसाइट पर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, बल्कि इस्तेमाल में आने वाले ई-कामर्स प्लेटफार्म से वे उत्पाद खरीद सकेंगे।

मनोज कुमार

इसके लिए खादी ग्रामोद्योग आयोग (केवीआइसी) ने डिजिटल इंडिया कारपोरेशन (डीआइसी) के साथ करार किया है। इससे खादी की बिक्री में उछाल आने की उम्मीद है। यह बातें खादी ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने कमानी आडिटोरियम में करार को लेकर आयोजन में कहीं।

उन्होंने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में खादी उत्पादों के कारोबार ने 1.34 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है, जो वित्तीय वर्ष 2013-14 में 31 हजार 154 करोड़ रुपये था। कार्यक्रम में डिजिटल इंडिया कारपोरेशन और खादी ग्रामोद्योग आयोग के अधिकारियों के बीच करार हुआ है। इसी कार्यक्रम में दूसरा करार, प्रसार भारती से भी हुआ, जिसमें डीडी न्यूज और डीडी इंटरनेशनल चैनल के एंकर खादी परिधान में नजर आएंगे।

खादी ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि डिजिटल इंडिया कारपोरेशन न सिर्फ ई-कामर्स प्लेटफार्म उपलब्ध कराएगा, बल्कि सामानों को उपभोक्ता के घर तक पहुंचाने की सुविधा उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि समझौता ज्ञापनों का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुसार खादी और ग्रामोद्योग आयोग को आधुनिक और इसके उत्पादों को युवा वर्ग के बीच लोकप्रिय बनाने का रोडमैप तैयार करना है। खादी को देश में बढ़ावा देना है।

उन्होंने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के अंतर्गत देशभर में स्थापित 3491 इकाइयों के लिए 150 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी का भी वितरण किया।

सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises
Government of India

G20
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

Khadi India

हस्तनिर्मित

स्विट्ज़रलैंड से पेन और घड़ियाँ,
फ्रांस से चमड़े के जूते,
इटली से पर्स व बटुए और
मिस्त्र से कॉटन वस्त्र.

आप इन विदेशी वस्तुओं के लिए हजारों खर्च करते हैं और खरीदते हैं,
और जब भारतीय हस्तशिल्प खरीदने की बात आती है, आप संकोच करते हैं !

इस अवसर पर

अपने शहर के किसी खादी इण्डिया आउटलेट पर जाएं,
गर्व से खरीदें उच्च गुणवत्ता के हस्तनिर्मित वस्त्र और उत्पाद,
जो आपके देशवासियों द्वारा ग्रामीण भारत में बनाये गए हैं !

क्यों विदेशी हाथों को भुगतान करें ?
भारत की आत्मीयता को महसूस करें

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
वेबसाइट : www.kvic.org.in

Download the Khadi India App from

kvicindia @kvicindia kvicindia www.kvic.org.in